PC-13754/NH

C/2111

UPNISHAD DARSHANA SAHITYA AND GRAMMAR

Opt. (ii)

Semester–V

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 75

नोट : परीक्षा का माध्यम संस्कृत, हिन्दी, पंजाबी या अंग्रेजी हो सकता है।

प्रथम–भाग

I. किन्हीं **दो** मन्त्रों/गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या करो :

(क) अथ संवत्सरादूर्ध्वं कबन्धी कात्यायन उपेत्योपगम्य पप्रच्छ पृण्टवान् हे भगवन् कुतः कस्माद्वा इमाः ब्राह्मणाद्याः प्रजाः प्रजायन्त उत्पद्यन्ते। अपरविद्याकर्मणोः समुच्चितयोर्यत्कार्य या गतिस्तदूक्तण्यमिति तदर्थोऽयं प्रश्नः।

(ख) अन्नं वै प्रजापतिस्ततो ह वै, तद्रेतस्तस्मांदिमाः

प्रजाः प्रजायन्त इति।।

(ग) अथैक्योर्ध्वं उदानः पुण्येन पुण्यलोकं नयति।

पापेन पापंमुभाभ्यामेव मनुण्य लोकम्।।

(घ) विज्ञानात्मा सह देवैश्च सर्वैः,

प्राणा भूतानि संप्रतिण्ठन्ति यत्र।

तदक्षरं वेदयते यस्तु सोभ्य,

स सर्वज्ञः सर्वमेवाविवेशति।। (2×7½=15)

II. किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दो :

(क) श्रीमदभगवद्गीता की दृष्टि से कर्मयोग का महत्त्व बतायें।

(ख) ईशावास्यमिदं सर्वं यत्किञ्चिज्जगत्यां जगत।

तेन त्यस्तेन भुञ्जीथा मा गृधः कस्यस्विद्धनम्।।

इस श्लोक की दार्शनिक व्याख्या करें। (2×7½=15)

द्वितीय–भाग

III. (क) निम्न प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर लिखो :

(अ) 'ब्रह्म सत्य जगन्मिथ्या' क्या यही ब्रह्म विद्या है। उपनिषदों की दृष्टि से दार्शनिक समाधान/व्याख्या करो।

(ब) श्री भतृहरि का जीवन परिचय व ग्रन्थ परिचय दो। 10

(ख) निम्न शब्दों में से किन्हीं **पाँच** के साथ स्त्री प्रत्यय लगाओ :

अरण्य, आचार्य, गवय, मनुष्य मातुल, विद्वस, श्वन्, शूद्र, पति, युवन्। 5

(ग) निम्न धातुओं में से किन्हीं **पाँच** के साथ णिजन्त प्रत्यय लगाकर लट् लकार प्रथम पुरुष एकवचन में रूप लिखो :

दा, प्रच्छ, लभ्, भू, गम, पा, ज्ञा, रूह्, रम्, लभ्। 5

(घ) किन्हीं **पाँच** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद करो :

1. मैं प्रातःकाल संस्कृत पढ़ता हूँ।
2. वह जोर से हँसता है।
3. पापकर्ता नष्ट हो जाता है।
4. श्रीगीता पवित्र पुस्तक है।
5. श्री अम्बेदकर ने संस्कृत को राष्ट्रभाषा बनाने की माँग की थी।
6. सत्सङ्गति क्या नहीं कर देती।
7. अति को हमेशा छोड़ दो।
8. कांटे से काँटा निकालना चाहिए।
9. आधा घड़ा हमेशा आवाज करता है।
10. सत्य की जीत होती है। 5

तृतीय–भाग

IV. वस्तुनिष्ठ प्रश्नः

(क) उपनिषद शब्द का अर्थ क्या है?

(ख) पाप और पुण्य का आधार कर्म या भाग्य।

(ग) सृष्टि के किन्हीं **चार** तत्वों के नाम लिखो।

(घ) क्या मनुष्य की इन्द्रियों का लय स्थान आत्मा है या नहीं?

(ङ) पिप्पलाद मुनि ने अपने शिष्यों को उनके प्रश्नों का उत्तर देने के लिए कितना समय दिया था?

(च) पाँच कर्मेन्द्रियों के नाम लिखो।

(छ) सोलह कलायें किस पुरुष में होती हैं?

(ज) अक्षर ब्रह्म के ज्ञान से कौन-सा फल मिलता है?

(झ) ऊँकार को वर्णों में अलग-अलग करके लिखो।

(ञ) प्राणवायु से शरीर चलता है या समान वायु से?

(10×2=20)